

## मालिश के बहाने चूत चुदवाने बुलवाया

“ मेरी एक पुरानी ग्राहक का फ़ोन आया कि उसकी एक सहेली की मसाज करनी है.. मैं सही वक्त पर पहुँच गया.. मैंने देखा कि मेरी पुरानी क्लाइंट सुमन के अलावा 3 और लड़कियाँ थीं जो 20 से 22 साल की रही होंगी। सुमन ने मुस्कुराते हुए कहा- राज.. ये लड़कियाँ हमारी सहेलियों की हैं और कल ही हॉस्टल से आई हैं.. इन सभी की अच्छे से मसाज करनी है। सुमन ने मुझसे कहा- देखो राज ये जैसे कहें.. वैसे करना और प्यार से करना.. क्या है ना.. ये सब अभी नाज़ुक हैं। ... ”

Story By: राज किशोर (raj-kishore)

Posted: Thursday, June 25th, 2015

Categories: [ग्रुप सेक्स स्टोरी](#)

Online version: [मालिश के बहाने चूत चुदवाने बुलवाया](#)

# मालिश के बहाने चूत चुदवाने बुलवाया

अन्तर्वासना के सभी पाठक-पाठिकाओं को प्यार भरा नमस्कार। दोस्तों आपने हमारी कहानियां 'चूत की सील टूटने का अहसास' व 'चूत-चुदाई की सेवा' पसंद की.. इसके लिए आपका धन्यवाद और इस्सी के साथ-साथ अन्तर्वासना का मैं बहुत आभारी हूँ.. जिसके माध्यम से मेरी कहानी आप तक पहुँची।

अब मैं अपनी कहानी पर आता हूँ.. जैसा कि आप जानते हैं कि मैं बाँडी मसाज की सर्विस देता हूँ।

यह बात एक हफ्ते पहले की है.. मेरी एक पुरानी ग्राहक का फ़ोन आया कि उसकी एक सहेली की मसाज करनी है.. आप रविवार को हमारे घर सुबह 10 बजे तक आ जाना और जैतून का तेल लेकर आना..

मैंने हामी भर दी।

दोस्तो, मैं आपको बता दूँ कि जैतून का तेल.. मसाज के लिए सबसे अच्छा होता है। सारी नसों को खोल देता है और खून का संचार ठीक कर देता है।

मैं सही वक्त पर पहुँच गया.. वो हमारा ही इंतजार कर रही थी। मैं अन्दर गया तो मैंने देखा कि हमारी पुरानी क्लाइंट जिसकी उमर करीब 35 साल की है.. और उनके अलावा 3 और लड़कियाँ थीं जो 20 से 22 साल की रही होंगी।

मेरी पुरानी क्लाइंट सुमन ने मुस्कुराते हुए कहा- राज.. ये लड़कियाँ हमारी सहेलियों की हैं और कल ही हॉस्टल से आई हैं.. इन सभी की अच्छे से मसाज करनी है।

मैं मन ही मन सोचने लगा कि चलो एक साथ 12000 कमाने का मौका मिला। मैंने सिर हिला कर हामी भर दी और ये पता किया कि पहले किसकी करनी है।

तो एक लड़की ने जवाब दिया- एक साथ तीनों की करनी है और तीनों एक कमरे की तरफ चल दीं।

सुमन ने मुझसे कहा- देखो राज ये जैसे कहें.. वैसे करना और प्यार से करना.. क्या है ना.. ये सब अभी नाज़ुक हैं।

मैंने 'हाँ' कहा और उसने मुझे अन्दर जाने को बोला।

मैं जैसे ही कमरे में गया.. तो देखता ही रह गया.. उन तीनों ने कपड़े उतार दिए थे और ब्रा-पैटी में थीं।

क्या कमाल दिख रही थीं.. मेरी तो अन्तर्वासना भड़कने लगी.. पर अपने आपको संभालते हुए मैंने उन्हें बोला- पहले किसकी करनी है ?

तो एक ने जवाब दिया- मैंने बताया ना.. एक साथ करनी है।

दोस्तों क्या फिगर था उनका.. तीनों एक से बढ़कर एक.. जैसे भगवान ने एक ही साँचे से बनाया हो.. लगभग 34-28-34 के कटाव से युक्त मदमस्त जिस्म मेरे सामने नंगे थे।

एक साथ तीनों बिस्तर पर लेट गईं। मैं भी पलंग पर चढ़ने लगा.. तो एक बोली- कपड़े तो उतार दो.. ऐसे ही करोगे क्या ?

मैंने अपने कपड़े उतार दिए और जांघिया में रह गया.. बिस्तर पर चढ़कर मैंने बोला- पेट के बल हो जाओ..

वो तीनों हो गईं.. ये मेरा पहली बार था.. जो एक साथ एक साथ तीन की मसाज करने जा रहा था।

मैंने कहा- आपके लिए तौलिया चाहिए नहीं तो आप के कपड़े खराब हो जाएँगे वो झट से बैठ गईं और एक झटके में तीनों ने ब्रा-पैटी भी उतार फेकी.. तीनों के मम्मे उछलकर बाहर

आ गए और तीनों दोबारा लेट गईं। उनकी गाण्ड मेरे सामने थी.. जो मुझे बेचैन कर रही थी।

खैर.. मैंने तीनों की कमर से लेकर पीठ तक तेल डाला और हल्के-हल्के मालिश करने लगा.. कभी एक को.. कभी दूसरी को.. तो कभी तीसरी को..

अचानक एक उठी और बोली- तुम दो की करो.. और मैं तुम्हारी करती हूँ। ये कहते हुए उसने मेरा जांघिया उतार दिया।

मेरा लण्ड अब अकड़ने लगा और कुछ ही पलों में तनकर 8" लंबी रॉड बनकर चूत को घूरने लगा और झट से उस लड़की ने लौड़े को अपने मुँह में भर लिया।

अब मेरी हालत देखने लायक थी.. जैसे ही उन दो लड़कियों ने देखा.. वो भी मुझ पर झपट पड़ीं और मुझे सीधा लिटा दिया। अब तो मेरी सोचने की शक्ति भी जवाब देने लगी थी। मैं क्या करूँ.. कुछ समझ में नहीं आ रहा था।

एक लण्ड चूस रही थी.. दूसरी ने मेरे होंठ चूसना शुरू कर दिए और तीसरी ने अपनी चूत मेरे मुँह पर रख दी.. जिसे मैंने चाटना शुरू कर दिया।

मुझे लग रहा था कि जैसे आज मेरा देह शोषण हो रहा है.. ये तमाशा करीब 30 मिनट तक चलता रहा।

तीनों एक साथ गरम हो चुकी थीं और मेरे लण्ड को एक-दूसरे से छीन रही थीं इसी खींचातानी में लण्ड ने पिचकारी छोड़ दी और उन तीनों ने प्यार से आपस में मेरा सारा क्रीम बाँटकर चाट लिया.. जैसे उन्हें कोई अमृत मिल गया हो।

अब मुझे बारी-बारी से चूत चाटने को बोला गया.. मैं चुपचाप शुरू हो गया.. इसके अलावा कोई चारा भी नहीं था।

तीनों ही अनचुदी थीं.. सो जल्द ही माल निकल गया ।

अब मैंने एक तरीका सोच लिया था कि मुझे क्या करना है.. सो जब मैंने देखा कि वे सब फिर से गरम हो चुकी हैं । पूरा कमरा उनकी सिसकारियों से गूँज रहा था.. मुझे भी पूरा जोश आ चुका था । तीनों की चूतों से रस टपक रहा था.. अब पेलने की बारी थी ।

मैंने तीनों को सीधा लेटने को बोला और वो लेट गईं । मैंने अपने लण्ड पर बहुत सारा तेल लगाया और उनकी चूत को भी तेल से बिल्कुल चिकना कर दिया ।

मुझे पता था कि आगे ही पल क्या होने वाला है ।

एक ने कहा- पहले में चुदूँगी..

मैंने कहा- ठीक है..

मैंने लण्ड को अच्छे से चूत पर सैट करके बोला- देखो चिल्लाना मत.. नहीं तो सुमन को पता चल जाएगा..

तो वो बोली- अगर कोई चिल्लाता है.. तो भी तुम रुकना मत.. और हाँ.. सुमन को पता है कि हम क्या करने वाले हैं ।

अब मेरा भी डर निकल गया था.. सो मैंने उसकी टांगें उठाकर अपने कंधे पर रखीं और एक झटका मार दिया ।

‘फक..’ की आवाज़ के साथ मेरा आधा लण्ड उसकी चूत के अन्दर था... वो ज़ोर से चिल्लाई..

मैं रुक गया ।

इतने में सुमन भी अन्दर आ गई- क्या कर रहे हो राज.. मैंने कहा था ना.. प्यार से करना.. मैंने सुमन की तरफ देखते हुए कहा- हाँ.. और आपने ये भी कहा था कि जैसा ये लोग कहें.. वैसे ही करना..

उन दोनों लड़कियों के चेहरे पर घबराहट साफ देखी जा सकती थी।  
इतने में कुछ दर्द शान्त हुआ.. तो मैंने पूरे ज़ोर का झटका लगा दिया।

‘आहूह..ऐयईईई ईईई.. मर गई.. मम्मी मार दिया रे.. निकाल बाहर..’

मैंने झट से बाहर निकाल लिया और दूसरे के ऊपर आ गया.. लण्ड सैट करके धक्का लगा दिया।

दूसरी भी चीखने लगी.. पर मैंने लण्ड एक बार में ही पूरा पेल दिया था।

सुमन झटके देखकर गर्म हो गई थी.. उसने भी अपने सारे कपड़े उतार दिए और बिस्तर पर आ गई, बोली- राज.. पहले मेरे साथ करो.. फिर इनको दर्द का अहसास नहीं होगा..

मुझे भी जुनून सवार था.. सो सुमन की टांगें उठाकर पेलना शुरू कर दिया। करीब 5 मिनट में ही सुमन अकड़ गई और हांफने लगी। मैं दोबारा पहले वाली के पास पहुँच गया और उसकी चुदाई शुरू कर दी।

अब वो कमर हिलाकर मेरे हर झटके का जवाब दे रही थी और कुछ ही पलों में वो भी अकड़कर शांत हो गई..

अभी मेरा छूटने का नाम नहीं ले रहा था.. तो मैंने दूसरे का भी काम कर दिया और अब मेरा भी झड़ गया।

अब एक बची थी.. जो पूरे जोश में लण्ड चूसने लगी और मैं 10 मिनट की चुसाई के बाद फिर से तैयार हो गया था। अब मेरा लण्ड पहले से ज़्यादा मोटा हो गया था.. मानो अभी फट जाएगा। मैंने जल्दी से चूत पर लगाया और बिना उसकी परवाह किए ठोक दिया। वो चिल्लाती रही.. पर मैं चोदता रहा।

इस बार 30 मिनट तक चुदाई की।

फिर मैं बाथरूम में जाकर फ्रेश हुआ.. बाहर आ कर जाने को हुआ.. पर उन्होंने मुझे रोक लिया और खाना वगैरह खाने के बाद सबने फिर से अलग-अलग चुदवाया और शाम को 7 बजे मुझे 12000 दिए।

फिर मैं अपने घर आ गया.. लेकिन मुझसे दो-दिन तक बिस्तर से उठा नहीं गया।

दोस्तो, घटना कैसी लगी.. मेरा उत्साह बढ़ाने के लिए ईमेल जरूर करना।

rajchak136@gmail.com

